"बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी. 2-22-छत्तीसगढ़ गजट/38 सि. से. भिलाई, दिनांक 30-5-2001."

पंजीयन क्रमांक "छत्तीसगढ़/दुर्ग/सी. ओ./रायपुर 17/2002."

छत्तीसगढ़ राजपत्र

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 14] रायपुर, शुक्रवार, दिनांक 2 अप्रैल 2004—चैत्र 13, शक 1926

विषय—सूची

भाग १

राज्य शासन के आदेश

सामान्य प्रशासन विभाग
मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 10 मार्च 2004

क्रमांक ई 1-2/2004/1/2.—एतद्द्वारा इस विभाग के समसंख्यक आदेश दिनांक 9-3-2004 में आंशिक संशोधन करते हुये श्री एस. के. कुजूर, भा.प्र.से. (1986) सचिव, छ. ग. शासन, महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण विभाग को उनके वर्तमान कर्त्तव्यों के साथ-साथ अध्यक्ष, माध्यमिक शिक्षा मंडल, रायपुर का अतिरिक्त प्रभार अस्थायी रूप से आगामी आदेश तक सौंपा जाता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
एस. के. मिश्र, मुख्य सचिव.

संचालक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, छत्तीसगढ़ द्वारा शासकीय क्षेत्रीय मुद्रणालय, राजनांदगांव से मुद्रित तथा प्रकाशित—2004.

कृषि विभाग

मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 11 मार्च 2004

क्रमांक 6443/बी.14/12/2004/14-2.—राज्य शासन द्वारा जारी समसंख्यक अधिसूचना क्रमांक 537 दिनांक 14-6-2002 के अनुक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य बीज प्रमाणीकरण संस्था के संचालक मंडल में राष्ट्रीय बीज निगम के प्रतिनिधि को सदस्य के रूप में एतद्द्वारा सम्मिलित करती है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
सी. एल. जैन, उप-सचिव.

आवास, पर्यावरण एवं नगरीय विकास विभाग

मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 17 मार्च 2004

क्रमांक 291/36/व्ही. आई. पी./32/01.—राज्य शासन द्वारा जल प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण अधिनियम, 1974 (क्रमांक 6) की धारा 5 की उपधारा (4) में प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए श्री राम अवतार अग्रवाल, सदस्य छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल के द्वारा प्रस्तुत त्यागपत्र को तत्काल प्रभाव से स्वीकार किया जाता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
बी. के. सिन्हा, विशेष सचिव.

जल संसाधन विभाग

मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 20 फरवरी 2004

क्रमांक 843/7-ए/जसं/तशा/औजप्र/02/डी-4.—छत्तीसगढ़ सिंचाई अधिनियम, 1931 (क्रमांक 3 सन् 1931) की धारा 37 सहपठित धारा 40 एवं अधिनियम के अधीन विरचित नियमों के उपबंधों द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार एतद्द्वारा संपूर्ण राज्य में विभिन्न औद्योगिक संस्थानों, नगरीय निकायों, शासकीय एवं अर्ध-शासकीय विभागों को शासकीय/नैसर्गिक स्रोतों से औद्योगिक/पेयजल उपयोग हेतु जल आवंटन/आरक्षण के एवज में कमिटमेंट चार्जेस (Commitment Charges) का निर्धारण निम्नानुसार करती है :—

1. राज्य शासन द्वारा शासकीय/नैसर्गिक स्रोत से जल आवंटन/आरक्षण के निर्णय लिए जाने पर संबंधित संस्थान द्वारा आवंटन आदेश के पूर्व रुपये 25,000.00 (रु. पच्चीस हजार) प्रति मिलियन घनमीटर की दर से कमिटमेंट चार्जेस का भुगतान जल संसाधन विभाग को किया जायेगा. तत्पश्चात् ही विभाग द्वारा जल आवंटन/आरक्षण संबंधी औपचारिक अनुमति पत्र जारी किया जायेगा. यह राशि नियमित जल कर या अन्य किसी राशि में समायोजित नहीं होगी और न ही वापसी योग्य होगी.

2. आवंटित जल की मात्रा के आधार पर शासकीय/नैसर्गिक स्रोत से जल के उपयोग के लिए निर्धारित अवधि में छूट निम्नानुसार होगी :—

2.1 औद्योगिक संस्थानों को औद्योगिक जल प्रदाय :—

श्रेणी	आवंटित जल की मात्रा	छूट अवधि (आवंटन/आरक्षण पत्र जारी होने की तिथि से)
(1)	(2)	(3)
(i)	10 मिलियन घ. मी. प्रतिवर्ष तक	2 वर्ष
(ii)	10 से 25 मिलियन घ. मी. प्रतिवर्ष तक	3 वर्ष
(iii)	25 मिलियन घ. मी. प्रतिवर्ष से अधिक	4 वर्ष

2.2 नगरीय एवं स्थानीय निकायों को पेयजल प्रदाय :—

श्रेणी	आवंटित जल की मात्रा	छूट अवधि (आवंटन/आरक्षण पत्र जारी होने की तिथि से)
(1)	(2)	(3)
(i)	30 मिलियन घ. मी. प्रतिवर्ष तक (लगभग 1 टी.एम.सी.)	2 वर्ष
(ii)	30 से 150 मिलियन घ. मी. (लगभग 1 से 5 टी.एम.सी.) प्रतिवर्ष तक	3 वर्ष
(iii)	150 मिलियन घ. मी. (लगभग 5 टी.एम.सी.) प्रतिवर्ष से अधिक	4 वर्ष

3. उपरोक्तानुसार निर्धारित छूट अवधि के पश्चात् भी आवंटिती द्वारा यदि शासकीय स्रोत से जल का उपयोग नहीं किया जाता है, तो प्रथम वर्ष में आवंटित/आरक्षित जल की संपूर्ण मात्रा का 5 प्रतिशत अंश एवं दूसरे वर्ष में 10 प्रतिशत अंश की जल कर राशि अतिरिक्त कमिटमेंट चार्जेस के रूप में संबंधित वर्ष की समाप्ति के पश्चात् 3 माह के अन्दर जमा करनी होगी.

4. नैसर्गिक स्रोत से जल आहरण पर, उक्तानुसार शासकीय स्रोत से जल आहरण हेतु कंडिका-3 के अनुसार निर्धारित राशि का 50 प्रतिशत ही देय होगा.

5. निर्धारित अवधि के बाद बिना अनुबंध के आवंटित/आरक्षित जल का आंशिक उपयोग प्रारंभ किया जाता है, तो शेष जल के लिये, शेष जल की मात्रा के 50 प्रतिशत अंश की जल कर राशि या सिंचाई अधिनियम, 1974 की धारा 44 के नियम 73 के अधीन बिना अनुबंध के कारण शास्ति स्वरूप लगायी जाने वाली जल कर की राशि में से जो भी अधिक होगी, वह देय होगी.

6. निर्धारित अवधि में कंडिका 3 एवं 4 की राशि के भुगतान न करने की दशा में 15 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित राशि वसूल की जावेगी.

7. छूट अवधि के उपरान्त दो वर्षों के बाद भी यदि जल का उपयोग प्रारंभ नहीं किया जाता है, तो तत्काल प्रभाव से जल आवंटन/आरक्षण स्वमेव समाप्त माना जायेगा एवं शासन को इस जल को अन्य किसी के उपयोग हेतु आवंटित/आरक्षित करने की स्वतंत्रता होगी.

8. यह आदेश उन प्रकरणों के लिये भी प्रभावशील होगा, जिनमें "कमिटमेंट चार्जेस" वसूल किये जाने की शर्त पर जल आवंटन किया गया है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
सरजियस मिंज, प्रमुख सचिव.

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, जनशक्ति नियोजन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 12 दिसम्बर 2003

क्रमांक/एफ-73-195/03/उ.शि./38.—राज्य शासन, छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 27 (3) के अधीन आर. डी. यूनिवर्सिटी, रायपुर के कुलपति द्वारा धारा 27 की उपधारा (2) के अधीन प्रस्तुत अध्यादेशों को सहमति प्रदान करती है तथा छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 27 की उपधारा (4) द्वारा 11 (ग्यारह) "प्रथम अध्यादेशों" को अनुमोदित करती है.

ये अध्यादेश राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
आर. सी. सिन्हा, सचिव.

ORDINANCE NO.1

Admission of Students to the University and their enrolment

(Section 27 (1) (a) of the Adhiniyam)

1. (I) In the Ardee University, admissions shall not only be restricted to the candidates/students hailing from India but also be opened to the NRIs and foreigners as detailed below :

a. <u>Students hailing from any part of Indian Territory</u> :

1. In this Ordinance unless there is anything contrary or repugnant to Statute and the Adhiniyam :

(a) " Qualifying exmination" means an examination getting through of which makes a student eligible for admission to a particular course of study leading to a Bachelor, Post- Graduate or Research Degree / Diploma / Certificate conferrable by the University.

(b) "Equivalent examination" means an examination conducted by

(i) Any recognized Board of Higher Secondary Education from any State or national boards or

(ii) Any Indian or Foreign University recognised by this University as equivalent to its corresponding course and examination.

2. A student seeking admission to the University Teaching Department or its Centers recognized by the University shall on or before the date prescribed for submission for admission, submit the duly filled in application along with the prescribed fee payble to the University or the Center, as the case may be .

3. The application of admission shall in be prescribed form and shall be accompanied by (a) character certificate from the Principal of School / College last attended, (b) Evidence for date of Birth, (c) true copy of the Statement of marks in the qualifying examination, and (d) certificate of caste wherver application .

4. No. student who did pass a part of any degree of postgraduate examination from another University shall be admitted to next higher class for such examination in any institution/center of this University without the approval of Vice-Chancellor

5. No person who is under sentence of rustication or has been disqualified from appearing at the examination from any other University/Institution shall be admitted to any course of study in this University and its institutions/centers.

6. The applicant desiring admission in this University or its Centers shall enclose with the application form an undertaking that Migration certificate shall be submitted within 2 months of the admission failing which the admission shall be liable to be

cancelled and shall be admitted only when he/she enclose the migration certificate . Provided further that the name of a student shall be struck off the rolls if he fails to submit the migration certificate within the stipulated period.

7. The admission of the students shall be completed by 25th of June every yerar and the academic session will commence on the 1st July without any let or hindrance. Provided that where 25th day of June is a holiday the next working day will be the last date for admission. Provided further that in case of genuine hardship with legitimate proof a condidate may get admission beyond the last date above, but the attendance of all such student shall be counted from the first day of the commencement of the session and the tuition fee will be levied in full prescribed for the course .

8. The person shall be enrolled as a student of the University immediately after his/her form is accepted for admission along with the payment of all the presceibed fee including enrolment fee.

9. The reservation of seats in the University as well as at each institution/Center for SC/ST/OBC and othe categories shall be adhered to as per the policy of the State Government .

10. <u>NRI & Foreign Students</u> :

1. In this Ordinance, unless there is anyting repugnant in the subject or context.

i) NRI means a student who is non-resident Indian.

ii) Foreign student means a student who is not an Indian National.

iii) The other terms and expressions used in this Ordinance shall have the same meaning as assigned to them by ARDEE UNIVERSITY (as amended from time to time) and the relevant Statutes and Ordinances made thereunder.

2. All cases of NRI and Foreign Students for admission to various courses in the Faculty / College / Centre affiliated to the University shall be regulated in accordance with the directives issued by both, the Govt. of India and Govt. of Chhatisgarh from time to time.

3. NRI and Foreign Students who desire to come to India for higher studies shall apply directly to the University. If the candidate fulfills all the qualifications and other requirements, the University shall issue provisional admission letter to him and inform the concerned Indian Mission. On the basis of the provisional admission letter, the Mission will issue a Student Visa to enable the student to come to India and join the University. No College or Faculty is authorised to issue provisional admission letter . It will be the sole responsibility of the student to seek admission in the Faculty or affiliated College / center within the time limit prescribed for admission.

4. Notwithtanding anything contained-in any other Ordinance, the fee for various programmes of the University shall be regulated by the Board of Management.

5. The amount of fee may be changed, as per the recommendations of the appropriate authorities of the University. Any foreign student once admitted in the University shall be required to renew his registration each year, after payment of the fee prescribed. Renewal fee will not be charged for gap-years i.e. when the student has not availed of facilities for studies in the particular year.

6. Notwithstanding anything contained in Ordinance relating to examinations , generally no Foreign Student shall be permitted to appear in any examination of the University as a non-collegiate student other than the students who are enrolled under the Distance Education Programme or corrrespondence study programme.

7. No NRI and Foreign Students shall be admitted to any Faculty / College / Centre affiliated to the University unless he / she fulfils the following conditions :

   i) He/ She possesses eligibility Certificate issued by the University.

   ii) He / She has deposited the requisite Registration / Renewal Fee.

iii) He / She has deposited the requisite Immigration fee,

iv) He / She produces in original Pass Port and valid Student Visa.

v) He / She submits certificate of the competent Medical Officer to the effect that he / she is not suffering from A. I. D.S.

vi) He / She produces a Certificate from the District Administration / Police Department that his / her name has been enrolled in the register of Foreign Nationals /NRI and;

vii) He / She produces original certificate of qualifying examinations.

8. The Eligibility Certificate, and other documents will be issued to the candidate in person, on production of valid evidence for identity, like passport, visa etc. The student should necessarily present himself. These certificates will not be granted and issued to the agents / representatives/ friends etc. whosoever and whatsoever.

9. If any dispute arises regarding the interpretation of any provision(s) of this Ordinance or for matters and situations not covered by this Ordinance, the matter shall be referred to the Vice-Chancellor of the University who may take directive from the Chancellor whose decision thereon shall be final and binding.

ORDINANCE NO. 2

Board of Studies

(Section 27 (1) (b) of the Adhiniyam)

1. There shall be a Board of Studies for every subject or group of subjects as may be decided by the Academic Council for a term of three years.

2. (1) Each Board shall consist of :

(a) Head of the Department (Chairman)

(b)Professor(s) of the University Teaching Department(s) of the subject or group of subjects for which the Board is constituted.

(c) One Reader / Associate Professor of the University Teaching Department of the subject or group of subjects for which the Board is consituted to be nominated by the Vice-Chancellor by rotation in order of seniority.

(d) One Teacher teaching the said subject(s) at the centers of the University to be nominated by the Vice-Chancellor by rotation according to seniority.

2. The Board of Studies shall co-opt one expert from each subject for a group of subjects.

3. In absence of Head to Department, a Professor amongst the Professors shall be nominated as the chairperson.

Provided that if the post of professors are vacant, a Reader who is member of the board under provision of clause 2 (1) (c) as above shall be nominated as chairman by the Vice-Chancellor. Provided further that in case a member under this category is also not available, then the Chairman shall be nominated from the members under clause 2(1) (d) of the Ordinance.

4. The Board of studies shall be accountable to the Vice-Chancellor for various decisions and activities.

5. The Board shall prepare and approve the detailed curriculum and syllabi on all the subjects leading to a certificate, diploma and degrees for graduation or post-gradution Courses with the approval of the Academic Council. It shall also prepare a panel of examiners in the concerned subjects.

6. It shall also identify the standard books and other materials which may be consulted for preparing the courses leading to certificate, diploma, graduate degree and post-graduate degree in each subject.

7. The Board shall prepare a panel of supervisors of research and suggest measures for improvement of the standard of the Teaching & Research.

ORDINANCE NO. 3

The Award of Degrees. Dispomas, Certificates and Other Academic Distinctions.

(Section 27 (1)(c) of The Adhiniyam)

The students on passing the examination prescribed for a particular certificate, diploma or degree shall be eligible for

the award of certificate, diploma or degree respectively.

The Registrar shall place the names of all candidates who have been examined and found qualified for the award of certificate, diploma or degree before the Academic Council immediately after the declaration of the results . On being approved by the Academic Council, the certificate and diploma shall be issud to the respective candidates signed by the Registrar of The University . The degree bearing the signatures of the Vice – Chanceller shall be awarded to the candidate in the convocation.

Provided that if the candidate is in urgent need of the Degree and the convocation is likely to be delayed the degree can be given to him/her by the Vice-Chancellor on payment of Rs.250/- as the fee for early award of degree.

The Degree /Diploma / Certificate conferred by the University under different faculties shall be as follows :

FACULTY	EXPANDED NO NOMENCLATURE OF THE COURSE
FACULTY OF EDUCATION:	
M.Ed.	Master of Education
B.Ed.	Bachelor in Education
D. Ed.	Diploma in Education
FACULTY OF LAW :	
LL.M.	Master of Law
LL.B.	Bachelor of Law

FACULTY OF TECHNOLOGY :

M. Tech.	Master of Technology
B. Tech.	Bachelor of Technology

FACULTY OF MANAGEMENT :

M. B. A.	Master of Business Administration
B. B. A.	Bachelor of Business Administration
D. B. A.	Diploma in Business Administration

FACULTY OF COMMERCE :

M. Com.	Master of Commerce
B. Com.	Bachelor of Commerce

FACULTY OF COMPUTER EDUCATION :

M. C. A.	Master of Computer Application
B. C. A.	Bachelor of Computer Application
P.G.D.C.A.	Post Graduate Diploma in Computer Application

FACULTY OF ARTS :

D. F. D.	Diploma in Fashion Designing
D. F. A.	Diploma in Fine Arts
C. F. D.	Certificate in Fashion Designing
C. F. A.	Certificate in Fine Arts

FACULTY OF MEDICAL SCIENCES :

B.Ph.Th.	Bachelor of Physio-Therapy
D.Pm.C.	Diploma in Para-medical Courses

ORDINANCE NO.

The Condition of the Award of Fellowships and Scholarships.

(Section 27 (1) (d) of the Adhiniyam)

The Awards of Fellowships, Research Scholarships and Other Scholarships shall be given away to the deserving meritorious students on the recommendation of a Committee consisting of –

(i) The Vice-Chancellor - Chairman

(ii) Three Academicians appointed by the Chancellor - Member

(iii) The Registrar - Membar Secretary

A notification shall be displayed in the premises of University/centres immediately after the admissions are over inviting application for the Awards.

2. Subject to the general conditions applicable to all Fellowships and Research Scholarships as laid down in paragraph 4 below, the terms and conditions of award of fellowships of University Grants Commision shall be such as are laid down by the U.G.C.

3.(a) The terms and conditions of Scholarships/fellowships instituted by the University shall be laid down by the Academic Council and approved by the Vice Chancellor.

The fee to be paid by the fellow/scholar is not waivable in any case.

4. The award of Scholarships including research scholarships and fellowships shall be given away subject to the following conditions:

a. The fellow/scholar will do whole-time research work under an approved Guide on a subject approved by the University.

b. The fellow/scholar shall not accept or hold any appointment, paid or otherwise or receive any emolument, salary, stipend etc. from any other source during the tenure of the award nor shall he engage himself in any profession or trade during that peried. He may, however, undertake teaching assignment of not more than ten hours a week in the institution, where he is procuring the higher studies without accepting any remuneration.

c. The fellow/scholar shall not join any other course of study or appear in any examination after accepting the Award.

d. Unless permitted by the Guide to work for a specified period at some other place, the fellow/ scholar shall be required to attend the institution where he has to work, on all working days.

e. In case the information submitted by the fellow/scholar in his application is found incorrect,incomplete or misleading, the award may be terminated by the Vice-Chancellor after giving him an opprtunity of being heard .

f. The University may suspend or withdraw the fellowship/scholarship if the progresss or conduct of the scholar is found unsatisfactory.

g.

(i) The facility of leave for a maximum period of thirty days in a year in addition to general holidays may be availed of by a fellow/scholar with the approval of the Guide and written permission from the University. The general holidays, however, do not include the vacation period e.g. Summer, Dussehra, Diwali and X-mas vacations. No other leave with fellowship/scholship shall be admissible.

(ii) The University may grant leave without fellowship/scholarship for a period not exceeding three months during the tenure of the award on the recommendation of the Guide .

(5) The scholarships instituted by the University shall ordinarily be tenable for two academic sessions subject to submission of a certificate of proficiency in studies from the head of the Department in the subject of study by the scholar/fellow.

(6) The drawal of scholarship shall be done in accordance with the procedure that may be laid down by University .

(7) A scholarship meant for graduate or postgraduate student shall be cancelied in the final year if the scholar–holder fails to secure at least 55% marks in the previous examination of the concerned course during the course of Award.

Provided that .if a scholarship-holder is unable to appear at the previous examination on account of sickness or any other reasonable cause, the scholarship for the months of March to June shall not be cancelled if the head of the institution / center or Head/Dean of the concerned faculty certifies that the scholar studiously made efforts for the examination, but was unable to appear in the examination for reasons beyond his control. Such a scholar shall forfeit his claim of scholarship during the next session, but shall be entitled to the scholarship during the studies for the final examination, if he passes the previous examination with the requisite standard in the first attempt.

8. A scholarship-holder shall at all times maintain good behaviour and observe all rules of discipline.

9. (1) The scholarship shall be liable to be terminated, if:-

(a)The scholarship-holder discontinues studies during the middle of a session;

(b)The scholarship-holder fails to maintain good conduct and behaviour and flouts the rules of discipline and decency.

(c) On being found guilty and if the Vice-Chancellor so directs, the scholarship-holder, shall also be liable to refund

the amount of scholarship drawn by him . The decision by the Vice-Chancellor approved by the Chanceller shall be final and shall be out of the jurisdiction of the Court of Law.

ORDINANCE NO. 5

Conduct of Examinations

(Section 27 (1) (a) of the Adhiniyam)

1. It is the duty of the Registrar to prepare and duly publish a programme for the conduct of examinations specifying the date of each examination along with the last dates by which applications and fees for examination shall be paid by the students.

2. In this Ordinance and in all Ordinances and Regulations laying down conditions for appearing at an examination of the University for a degree or a diploma either generally or for a particular examination, unless there is anyting repugnant in the subject or context.

   i. "Regular candidate" means a person who has prosecuted a regular course of study in a University Teaching Department, School of Studies or an Institution identified as a centre and seeks admission to an examination of the University as such;

   ii. "Ex-student" means a person who was admitted to an examination as a regular candidate and was not declared successful thereat or was not able to appear in the examination though admission card was correctly issued

to him by the University and seeks re-admission to the said examination.

iii. A candidate shall be admitted as a regular candidate only when he has attended at least 75% of lectures and practicals separately.

iv. In computing the attendance for fulfillment of the condition regarding prosecution of a regular course of study :

a. Attendance of lectures delivered and practical / clinical/ sessional, if any held, during the academic session shall be counted.

b. Attendance at N. C.C. / N. S.S. Camp during the session shall be taken as full attendance at lectures / practicals on each such day of camp and the days for journey to such camp.

c. Participation as a member of a University team in any Inter-University competition shal be taken as full attendance on the days of such competition and the daysof journey for participation therefor.

d. For special reasons, e.g. prolonged illness, deficiency in attendance not exceeding fifteen percent of the total number of lectures delivered and practical / clinical /

sessional held in each subject may be condoned by the Chancellor.

3. No ex-student shall be admitted to an examination of the Univesity unless he/ she submits with his / her application form:

   i. The statement of marks (in original) obtained by him / her at the said examination issued by the University together with an attested copy thereof, or

   ii. In case he / she was duly admitted to the said examination as a regular candidate but he /she could not appear, a certificate that he / she could not appear, a certificate from the institute last attended by him showing the year, the roll number and the examination to which he was admitted as a regular candidate.

4. No candidate shall appear, in more than one degree examination or in more than one subject for the Master's degree (Previous or Final) in one and the same year.

5. A candidate who has passed the examination of any part of degree from another University may with the permission of the Vice Chancellor be admitted to the next part of the examination for the degree provided the course offered by the candidate at such other University is equivalent to the course of the Ardee Univesity for the corresponding examination.

6. No person who has been expelled or rusticated from any College or University or has been debarred from appearing at a Univesity examination shall be admitted to any course in Ardee University.

7. An application for admission to an examination received by the Registrar after the last date notified by the University but not later than fifteen days after such last date may be entertained on payment of a late fee as prescribed by the University from time to time. Provided that further delay of a week beyond the specified period as above can be condoned by the Vice Chancellor in genuine cases with the further late fee of Rs. 100/-.

8. (1) The Registrar shall issue an admission card in favour of a candidate if :

   a. the application of the candidate is complete in all particulars in accordance with the provisions applicable to him / her and in order.

   b. The candidate is eligible for admission to the examination, and

   c. The fees as prescribed have been paid by the candidate.

(2) a. Where the practical examination is held earlier than the examination in theory papers, a candidate shall not be

deemed to have been admitted to the examination until he is isued an admission card for appearing in the examination.

b. Clinical training in the District Court, participation in the most courts and submission of project report based on decided cases are the pre-requisites for appearing in the written examination of the final year by law students.

(3) The admission card issued in favour of a candidate to appear at an examination may be withdrawn, if it is found that –

a. the admission card was issued by mistake, or the candidate was not eligible to appear in the examination.

b. Any of the particulars given or document submitted by the candidate in or with the application for enrolment, admission to Institute, teaching department or School of Studies or admission to an examination is false or incorrect.

(4) The Registrar may, if he is satisfied that an admission card has been lost or destroyed , grant a duplicate admission card on payment of a fee of Rs. 20/ - prescribed by the University. Such Card shall clearly reflect the word "Duplicate".

(5) A candidate shall be admitted into the Examination Hall after he produces the admission card before the Superintendent of Examination Centre or the Invigilator. Further he shal produce his admission card whenever required by the Superintendent, theInvigilator or by a member of the flying scot.

(6) The Board of Management shall determine in consultation with the Academic Council the schedule of the examination and the Registrar shall appoint Superintendent, Chief Invigilators and other Invigilators for each examination centre and shall issue instructions for their guidance.

(7) The Board of Management may issue such general instruction, for the guidance of the Examiners, Centre Superintendents, Tabulators, Collators, as it considers necessary for the proper dischargeof their duties.

(8) The Superintendent of the Examination at each centre shall be personally responsible for the safe custody of question-papers and the answer-books sent to him and shall render to the University officea complete account of used and unused question papers and answere books every day at the end of the examination.

(9) The Superintendent shall supervise the work of Invigilators deputed under him.

(10) The Centre Superintendent shall ensure that an examinee is the same person who has filled in the application form for appearing at the particular examination . For the purpose, the exercise of checking the photograph pasted on the form and admission card will be done immediately when the examinee enters into the examination hall.

(11) The University may change the examination centre of the examinee any time if it deems proper without assigning any reason.

(12) The Registrar may, on the recommendation of the Centre Superintendent, appoint an alumnus to write down dictation pertaining to answers to questions at the examination on behalf of an examinee who is unable to write himself / herself on account of severe short sightedness or sudden illness, or any physical deformity, provided that such an alumnus shall be a man / woman possessing qualification of atleast one class / examination lower than that of the examinee conceerned. A constant watch shall be kept on such examinee and his alumnus.

(13) A flying scot shall be at work to see that the conduct of the examination is strictly according to rules and to prevent the use of unfair means by the examinees. In the event of pointing out serious breachof rules or procedure, the Vice Chancellor may take such action as may be necessary including postponement or cancellation; wholly or in part, of the examination at the centre, and if any such action is taken, a report of the action taken shal be made to the Board of Management at its next meeting.

The Vice Chancellor may cancel an examination of all centres if he is satisfied that there has been a leakage of question papers or any other irregularity which warrant such a step and report the action taken at the next meeting of Board of Management.

(14) No examinee shall be allowed to leave the examination hall within half an hour of the start of the examination for any purpose whatsoever and no late comer will be permitted in the examination hall after half an hour has elapsed of its commencement.

(15) Examinee desirous of leaving the examination hall temporarily shall be permitted to do so but within the precincts of the campus for a maximum period of 5 minutes. His movements will be watched and the

absence shall be recorded. If the examinee fails to return with in the specified time of 5 minutes, he / she shall not be permitted to enter the examination hall, unless he / she gives convincing explanation, which will be kept in record.

(16) The Superintendent of an examination centre shall take action against an examinee who is found indulging into talks and using or attempting to use unfair means in the examination hall or within the permises of the examination centre during the hours of examination. The action will be taken in the following manner :-

a. The examinee shall be called upon to surrender all the objectionable materials found in his or her possession including the answer-book and a memorandum shall be prepared with date and time.

b. The statement of the exminee and the Invigilator shall be recorded and their signatures will be obtained. All the material so collected and the entire evidence along with a statement of the examinee and the answer book duly initialled shall be forwarded to the Registrar by name, in a separate confidential sealed registered packed marked "Unfair Means" along with the observations of the Superintendent.

c. The examinee shall be issued a fresh answer-book marked "Duplicate due to using unfair means" and he will be asked to attempt answers within the remaining time prescribed for that paper.

d. The cases of the use of unfair means at the examination as reported by the Centre Superintendent alongwith the report of the Examiner shall be examinedby a Committee to be appointed by Board of Management.

e. The Committee shall after examining all documents of the case decide the action to be taken in each case and report to the Vice-Chancellor regarding the action to be taken.

(17) The Registrar shall publish the results of the University examinations on the notice board of the office of the University. The result, when published, shall simultaneously be communicated to the concerned institutions and the press as well.

(18) The remuneration of the Examiners, Superintendents, Invigilators, Tabulators and Collators and any deductions to be made in remuneration for errors noticed shall be decided by the Board of Management from time to time.

(19) Except as otherwise decided by the Board of Management, the examination answer-books and the documents regarding the marks obtained by the examinees except the tabulated results, shall be destroyed or otherwise disposed of after one year from the dateof the declaration of the results. Provided that a master register shall be maintained in which subject wise Examiners identity shall be maintained. This record strictly be confidentially preserved with the Vice-Chancellor.

(20) a. In the Examination Hall the candidate shall be under the disciplinary control of the Superintendent of the Centre and he shall obey his instructions. In the event of a candiate disobeys the instructions of the Superintendent or indulges in indisciplined conduct or insolent bahaviour towards the Superintendent or any Invigilator the candidate may be excluded from that day's examination and if he persists in misbehaviour he maybe excluded from the rest of the examination by the Superintendent of the Centre.

b. If a candidate acts in a violent manner or uses force or makes a display of force towrds the Superintendent or any Invigilator at the centre or in its precincts endangening the safety of either of them or acts in a manner likely to disturb the authorities in the discharge of their duties, the Superintendent may

expel the candidate from the centre and he may even resort to police help.

c. If a candidate brings any dangerous weapon within the precincts of the examination centre he may be expelled from the centre and / or handed over to the police by the Superintendent of Examination.

d. A candidate expelled on any of the grounds mentioned in (b) or (c) above will not be allowed to apear in the subsequent papers.

e. In every case where action is taken by the Superintendent under (a) (b) or (c) above a full report shall be sent to the University and the Board Managment may according to the gravity of the offence, further punish a candidate by cancelling his examination and / or debarring him from appearing at the examinations of the University for one or more years after giving the candidate on opportunity to show cause and considering any explanation submitted by the candidate.

(21) 1. A candiate, who due to sickness or other cause, is unable to present himself / herself at an examination, shall not receive a refund of his fee. Provided that the Vice-Chancellor may, in case in which he is satisfied about the genuineness, or merit of the case,

order for adjustment of the following portion of the fee towards the immediately next examination, viz.

1. Examination fee after deduction of 12% fee paid and
2. Fee for statement of marks

Other fees paid by the candidate shall lapse to the University. Application for such adjustment from a candidate accompanied by a Medical Certificate of illness must be sent immediately but not later than the date of commencement of the examination at which the candidate has to appear.

2. Examination and other fees of a candiate whose application for appearing at an examination has been wrongly rejected, his fees having been paid in University account, may be refunded after deduction of service charges amounting to Rs. 10/ - only.

3. The fee towards examination and statement of marks paidby a Candidate who dies before appearing at the examination may be refunded in full to his guardian or his legal successor on producing documentary evidence to that effect.

4. The entire fees paid by a candidate whose application for appearing at an examination is

cancelled on account of producing fraudulent documents or giving false particulars shall stand forfeited.

(22) 1. Any candidate who has appeared at an examination conducted by the University, may apply to the Registrar for the scrutiny of his marks in the written papers in any subject and rechecking of his result. Such application must bemade so as to reach the Registrar within 15 days of the publication of the result of the examination.

2. Such application must be accompanied by fee as shown below :

(a) In one subject	Rs. 50/ -
(b) In more than one subject	Rs. 100/ -

3. The result of the scrutiny shall be communicated to the candidate by post and copyof the revised result shall be displayed on the Notice Board.

If as a consequence of scrutiny it is found that the exminee should be declared as having passed or placed in a higher division the result of the candidate shall be revised accordingly ... ' the fee deposited by the candidate for scrutiny of marks shall be refunded to him after deducting an amount of Rs. 10/ - as service charge.

4. A candidate may apply to the Registrar in the prescribed form within 15 days of the declaration of his / her result for the revaluation of any of his / her answer books also. Provided that no candidate shall be allowed to have more than two answer books revalued. Provided also that no candidate shall be allowed, to more than two answer books revalued. Provided also that no revaluation shall be allowed in case of scripts of practicals, field work, sessional work, tests and dissertation submitted in lieu of a paper at the examination.

5. The fee for revaluation shall be Rs. 150/ - per answer book.

6. Where a candidate applies for revaluation, the answer book in which revaluation is sought will be sent for valuation by the Vice Chancellor to two examiners (other than the one who initially valued it).

7. If the marks awarded in the paper by any of the two examiners varies from the marks given by the original examiner by more than 10% maximum marks in the paper, the average of the marks awarded by two of the revaluaers will be taken into account to represent the "correct valuation". This average of marks will be awarded to the candidate for the revision of his result.

8. If due to revaluation the marks awarded by the original examiner are changed,the candidate shall be entitled to a refund of 50% of amount out of the revaluation fee deposited by him.

(23) A candidate who has passed any final degree examination, may after the declaration of his result and before the date of the next convocation, submit an application accompanied by a fee of Rs. 100/ - to the Registrar for a Provisional Certificate of passing the examination of the University.

(24) Duplicate copies of the following certificates shall be granted on payment of the fee mentioned against each viz.

i. Marks Sheet	Rs. 50/ -
ii. Migration Certificate	Rs. 100/ -
iii. Privisional Certificate	Rs. 100/ -

Provided further that duplicate copy of Migration Certificate shall be given only when an affidavit on a stamped paper of proper value required by law for the time being in force is given by the applicant mentioning that he / she has not utilized the original Migration Certificate for appearing at an examination and has lost the same or that the same has been destroyed and that the applicant has bonafide need of the same.

(25) The names of first ten successful candidates in examination obtaining first division shall be declared in order of merit for each class / subject as the case may be. Merit Certificate can be had from the University on depositing a fee of Rs. 50/ - only.

(26) Notwithstanding anything contained in this Ordinance,

a. An examinee, who fails by a total of not more than two marks in the examination, but secures more than the minimum aggregate marks required shall be given two grace marks by the Vice-Chanceller to enable him to pass the examination.

b. It shall be the prerogative of the Chancellor to award the grace mark in case the candidate is failing by one mark or missing a division by one mark.

Provided that this benefit shall not be allowed to enable a candidate to get both the benefit as mentioned in the preceding sub-clause. (a) and (b)

(27) The scope of studies in different subjects for an examination shal be as prescribed by the University from time to time and printed in the prospectus for the examination concerned.

(28) A candidate who has failed in two subjects shall be eligible to appear in supplementary examination.

In the case of subject for supplementary examination on which there is also a practical test, a candidate shall be required to appear in the written papers only if he has passed at the main

examination in practical and in practical onlyif he has passed in the written papers. A candidate who has failed in practical and in written papers shall be treated as failed, but if he has failed in only one subject, he may be permitted for the supplementary examination in both, the practical and written.

A candidate may appear in two successive examinations only immediately following the examinationin which he was declared to be so eligible and thereafter he shall be required to appear in all the papers, of previous class at the next examination in case he fails to clear the successive attempt of the supplementary.

The marks obtained by the candidate in the supplementary examination shall be taken into account in determining his division at the examination.

ORDINANCE NO. 6

Appointment of Examiners

(Section 27 (1) (e) of the Adhiniyam)

1. In this Ordinance :

i. "Internal Examiner" means :

a. In case of theory paper, an examiner including a paper-setter who is a teacher in a University Teaching Department, School of Studies or Institutions / Centres of the University.

b. In case of practical and viva-voce examination examiner who is a teacher in the Institution whose candidates are being examined at the examination centre.

ii. "External Examiner" means an examiner other than an internal examiner.

iii. "Co-examiner" means an examiner in a written paper other than the paper setter.

2. The office of the Registrar shall prepare for every subject names of persons qualified for appointment as examiners. The list shall be in two parts, the first part containing the names of persons working as teachers in the University Teaching Department, School of Studies or Institution / Centres of the University and the second part containing names of persons other than teachers of the University qualified for appointment as examiners, whose names shall be obtained by the Registrar's Office from othe University on its own initiative or under the direction of the Chairman of the Board of Studies concerned.

3. The list shall contain, as far as possible, information relating to the persons included therin on the following points, namely,

   a. The academic and teaching experience at degree and post graduate levels.

   b. The field of specialization

   c. The examinations of the University and years in which they have acted as examiners in the past.

4. The list so prepared shall be made available to the Examination Committee concerned constituted by the Vice Chancellor for each subject.

5. ... Registrar's Office shall also give the Examination Committee the appropriate number of candidates expected to

appear at each examination and the list of centres of each practical / viva –voce examination together with the estimated number of candidates thereat.

6. The Examination Committee shall, in the light of the provisions of the following paragraphs; recommend

   i. A panel of three names for the appointment of the paper-setter of each written paper.

   ii. A list of names of persons for appointment as co-examiners, where necessary, the number of names included in the list being at least fifty percent in excess of the number to be appointed.

   iii. A list of names of persons for appointment as examiners in each practical / viva-voce examination, the number of names included in the list being sufficient for the conduct of practical / viva-voce examination at different centres.

7. The Vice-Chancellor shall appoint paper-setters, co-examiners, practical / viva-voce examiners ordinarily from amongst persons recommended by the Examination Committee. He may, however, appoint a person whose name is not included in the list of names recommended by the Examination Committee if he is satisfied that the person in question is well qualified in the subject and his inclusion will not be contrary to the provisions of the appointment of examiners.

8. The qualifications of the paper-setter and co-examiners shall be as follows namely,

a. Paper setter / Main Examiner

	Examination	Qualification
i.	M. Ed.	Experience of teaching the subject at the post-graduate level for atleast seven

		years. O R Experience of teaching the subject at the post graduate level from atleast five years together with research experience
ii.	B. Ed.	Teaching the subject at Degree level and / or post graduate level for atleast seven years O R Post-graduate level for five years
iii.	D. Ed.	Teaching the subject at Degree level and / or post graduate level for atleast five years O R Post-graduate level for three years
iv.	LL. M.	Atleast Master's Degree in Law and teaching experience of three year at LL.M. level O R Experience as High Court Judge O R Standing of atleast fifteen years at the Bar of the High Court.

v.	LL. B.	Teaching experience of LL.B. for atleast seven years OR LL.M. with teaching of two years experience OR Judicial experience as District Judge OR Standing of atleast 14 years experience as an Advocate.
vi.	M. Tech.	Teaching experience in Engineering Faculty for ten years OR Renowed Technocrat of India
vii.	B. Tech.	Teaching experience in Engineering Faculty for seven years OR Renowed Technocrat of India
viii.	M. B.A.	Teaching experience in Management Faculty for ten years OR Renowed Managerial capacity in India
ix.	B. B.A.	Teaching experience in Management

		Faculty for seven years O R Renowed Managerial capacity in India
x.	M. Com.	Teaching experience in Commerce Faculty for ten years
xi.	B. Com.	Teaching experience in Commerce for seven years'
xii.	Master of Computer Application / Bachelor of Computer Application/ Post Graduate Diploma in Computer Application	Teaching experience in seven years in Computer Discipline O R Renowed Managerial capacity in Computer in India
xiii.	Diploma & Certificate in Fashion & Fine Arts	Teaching experience of five years in respective disciplines O R Renowed Managerial capacity of Fashion & Fine Arts in India
xiv.	Bachelor of Physyo-Therapy / Diploma / Certificate in	Teaching experience in the subject for five years O R

Para-medical courses	Senior faculty member in Medical College OR Specialist in Physiotherapy in some Hospital of repute.

b. Co-examiners

In case of B. Ed. And LL. B. degree examinations, teacher in the University Teaching Department / School of Studies and Centres of the University with atleast three years teaching experience at the degree / post graduate level in the subject shall be eligible for appointment as Co-examiners. In case of M. Ed. and LL. M. Degree examinations, teacher in the Univesity with atleast five years teaching experience. The same criteria shall be adopted for other courses/faculties.

c. In case of practical and viva voce examinations at the post graduate level, the external examiner shall be a person not below the rant of a Professor (including retired Professor)

(2) In case of Practical and Viva-voce examinations at the first degree level the external examiner shall be a teacher of the subject with not less than five years experience of the subject at the degree and / or post graduate level.

d. The internal examiner in case of Viva Voce examinations at the post graduate shall be senior most teacher in the subject in the University / Institution / Centre.

e. The internal examiner in case of practical examination both at the degree and the post-graduate level shall be appointed from amongst the teachers of the concerned subject, on the recommendation of the Head of Department and concurred by the Vice-Chancellor.

9.

i. Ordinarily 50% of the paper-setter for M.Ed. and LL.M. examinations and 40% of the paper setter for B.Ed. and LL.B. degree examinations in any subject shall be external. The some criteria shall be adopted for other faculties.

ii. For appointment as paper setter and co-examiners teachers in the University Teaching Department, School of Studies and Centre of the University shall ordinarily be considered on the basis of seniority, subject to fulfillment of other conditions for such appointment.

10.

i. No one shall ordinarily be given more than one theory examiner-ship (paper setter or co-examiner-ship).

ii. No one who is a paper setter at any examination shall be appointed as an external viva voce examiner at that examination.

iii. In case of practical examination, one external examiner shall not ordinarily examine more than 50 candidates. If the strength exceeds to 50 students, another examiner shall be appointed and the number of students under each examiner shall be equally divided.

iv. In case of written examination, an examiner shall not ordinarily value more than 200 answer books.

11.

i. An examiner shall be appointed for one year only, but he / she shall be eligible for re-appointment in the subsequent years subject to three consecutive years. He / She shall not be eligible for re-appointment until a period of one year elapses after three years as an examiner.

Provided that such a gap will not be necessary in case of internal examiners.

ii. An examiner may be discontinued any time even before the expiry of the three year period if his / her work is not found satisfactoryor if complaints are made against him / her for mis-use of the examinorship.

An examiner's work shall be deemed to be unsatisfactory if;

i. mistakes of such nature are found in his work in the course of checking and scrutiny which affect the result, or

ii. he is found by the Board of Management to have delayed the work without good cause, or

iii. there is an adverse report from the Head Examiner, or

iv. in the opinion of the Board of Managemenrt there are reasonable doubts about his / her integrity, or

v. suspicion that he is accessible to examinees or their relations.

12.

i. In a paper for which there only one examiner has been appointed, he/ she shall set the paper and value the answer books received by him/ her.

ii. In case of appointment of more than one examiner, the Head Examiner shall : -

a. set the paper, and

b. forward a memorandum of instructions for the guidance of the co-examiners to secure conformity with his own standard in the valuation of the answer books by his / her co-examinors.

13. a. If for any reason an examiner becomes unable to value the answer books or to perform the duties of the Head Examiner, after setting the question paper, he shall be entitled to receive remuneration for paper setting only.

b. If the paper-setter dies after setting the paper but before he is able to take up or complete the valuation of answer books, full remuneration prescribed for paper setting shall be paid to the heirs of such paper setter.

14. In any subject, if a viva voce examination is prescribed it shall be conducted by a board of atleast two examiners of whom one shall be an external and the other internal examiner.

15.i. No person shall act as paper setter or examiner either in theory, viva voce or practical examination if any of his relations is appearing for the examination.

ii. No person shall act as moderator or tabulator for any examination if any of his relations is appearing / has appeared at the examination.

MODERATION COMMITTEE

1. There shall be a Committee for moderation of question papers

for examinations in the subject or subjects comprised in each Department of Study, which shall consist of the following persons :

i. Chairman of concerned Board of Studies

ii. A member nominated by the Vice Chancellor.

2. The term of members appointed under clause (ii) paragraph (1) shall be one year.

3. Moderation of question papers may be dispensed with by the Vice Chancellor in those cases in which question papers have been set by an internal examiner and an external examiner in consultation with each other.

ORDINANCE NO. 7

Condition of Residence in the Hostel

(Section 27 (1) (g) of the Adhiniyam)

1. Vice-Chancellor is empowered to appoint a Warden for each hostel and a Chief Warden for all the Hostels.

2. The Hostel maintained by the University will provide accommodation to its students only. No outsider shall be permitted to avail the hostel facility.

3. Each student wishing to reside in the hostel shall apply on the prescribed form along with the application for the admission.

The Head of Department shall forward the application to the Chief Warden after the candidate is admitted.

4. The admission to Hostel shall be granted at the discretion of the Warden in consultation with Chief Warden. The student will be allowed to stay in the hostel for more than three years till he/ she completes the tenure of a particular course. If he/ she is failing continuously in the examination, he / she shall be debarred from the hostel facility.

5. The student will occupy the room alloted to him/ her by the warden. No mutual exchange shall be permitted without the permission of the Warden.

6. Roll call shall be taken on night at 9-00 P.M. in winter (15th October to 14th March) and 10-00 P.M. in sumer (15th March to 14th October). The student will have to take prior permission from the warden to return late and to leave hostel during holidays. Ordinarily no student will be permitted to leave the station more than twice in a month. The habitual late comers shall be warned by the warden in writing and will be expelled from the hostel if the lapse is repeated thrice in a month.

7. Inspection of the rooms and hostel shall be made by the warden and Chief-Warden without any notice. In entering ladies room, a lady teacher shall accompany the warden or Chief Warden.

8. The use of loudspeakers, loud playing of radio / transistor etc. likely to disturb the boarders are prohibited. No Television set

will be allowed in the rooms of hostellers.

9. No meeting or gathering of the students can be made in the hostel without the permission of the Warden / Chief Warden.

10. No alcoholic drinks or any other intoxicants, fire arms or weapons, etc. shall be permitted in the hostel.

11. Furniture can not be removed from one room to another except with the permission of the Warden. The fixtures and furniture provided in the room should be kept intact . The rooms should be kept clean and tidy. Any damage to furniture, fittings, etc. will make the hosteller and his / her inmate liable for the cost.

12. No guest shall be allowed to stay in the hostel during night except in the special circumstances accredited guardian may be allowed once during on academic session. Guests and visitors shall be required to note down their names and addresses in the Register and the particulars and purpose of their visit.

13. The food services shall be arranged by the warden in consultation with the Chief Warden and two representatives of the hostellers. It may either be a cooperative mess, managed by the Hostellers or a mess run by a contractor.

14. The student shall be required to vacate the hostel within five days of his / her last paper / practical of the session.

15. Every hosteller shall at all times be courteous in behaviour, maintain decorum and dignity and observe all rules of the hostel. The warden / Chief Warden is empowered to levy a fine up to Rs. 50/ - for any breach of hostel rules, disobedience, non attendance in the class room etc. Persistent indulgence in such affairs of misconduct on the part of the hosteller may be dealt with appropriately by the Warden / Chief Warden. According to the nature and gravity of the offence the warden may :

i. Expel the student from the hostel.

ii. Recommend the Registrar / Vice Chancellor to rusticate such a student.

Before inflicting any punishment on the erring hosteller, an opportunity of personal hearing shall be given by the Registrar / Vice Chancellor and shall record the reasons of inflicting the punishment, if any. Appeal against the order of punishment can be made by the hosteller to the Chancellor. The Chancellor after giving a personal hearing to the hosteller concerned will decide the issue. The decision of the Chancellor of Ardee University shall be final and shall not be subject to any Court of Law.

16. The fees and other dues prescribed for the hostel shall be given in the prospectus. In case of non-payment of dues within the stipulated date with a lapse repeated thrice, the candidate shall be liable to be expelled from the hostel.

ORDINANCE NO. 8

Maintenance of Discipline amongst Students

(Section 27 (1) (h) of the Adhiniyam)

1. All students prosecuting a course of study at the Univesity Teaching Department and its Centres shall observe a code of conduct.

2. Any violation of the code of conduct or breach of any rule or regulations of the University and the Centres by the student shall constitute an act of indiscipline and shall make him / her liable for disciplinary action against him / her.

3. The following acts shall constitute acts of gross indiscipline and the student indulging in any of them shall be liable for disciplinary action against him / her.

   a. Disobeying the teacher

   b. Misbehaviour in the class

   c. Quarelling and passing derogatory remarks in the University campus or centre premises and with the employees.

   d. Behaving in an indecent manner and trying to harass the teachers and employees of the University or fellow students in the campus and outside.

   e. Indulging in ragging or unnatural act.

   f. Any other act, which the Discipline Committee may

determine to be objectionable and not conclusive to healthy atmosphere.

4. The Chief-Proctor and proctors shall be appointed from amongst the teachers by the Vice-Chancellors for a period of two years, to maintain the discipline in the University and at the centres.

5. The Chief Proctor and the Proctors shall be paid honorarium decided by the Board of Management.

6. Powers and Duties of Chief Proctor and Proctors

The Chief Proctor shall exercise the following powers

i. Take action in all matters of indiscipline brought to his notice by any teacher, student, and employee of the University or any responsible peson.

ii. If in the opinion of Chief Proctor the act of indiscipline is not of a serious nature, he may hold a summary inquiry and shall issue a formal warning to such indisciplined person.

iii. If in the opinion of Chief Proctor, the breach of discipline is of a serious nature, he may get the prreliminary inquiry conducted by either a Proctor or any person he deems fit. The inquiry report shall be placed by the Chief Proctor. before a Committee consisting of three officers of the University appointed by the Vice-Chancellor.

iv. On the basis of prima facie inquiry the Committee shall issue the show cause notice to the delinquent specifying the charges and call upon him / her to present his / her explanation. The committee shall also examine all relevant documents and / or evidences in the case and recommend punishment with findings.

v. The recommendation of the Committee for imposing fine or issuing a warning or other punishment shall be placed before the Vice Chancellor. On the approval by the Vice Chancellor, the punishment shall be executed by the Chief Proctor.

ORDINANCE NO.9

Other Bodies for Improvement of Academic Life of the University

(Section 27 (1) (i) of the Adhiniyam)

1. In addition to the Academic Council (Section 19(1)(3)) the University shall have following bodies for the improvement of academic life of the University :

i. Faculty
ii. Board of Studies
iii. Departmental Research degree Committee
iv. Committee of Equivalence
v. Examination Committee

FACULTY :

1. Each faculty shall consist of the following members :

(a) Dean of the Faculty . Chairman

(b) All Chairmen of the Board of Studies of the respective subjects.

(c) All Professors of the concerned faculty of University Teaching Department.

(d) One Reader/ Associate Professor of each subject in University Teaching Department assigned to the faculty

nominated by Vice Chancellor by rotation in order of seniority.

e. One Reader/Associate Professor from each Centre of University nominated by Vice Chancellor by rotation, according to seniority.

f. Three Lecturers drawn from University Teaching Departments nominated by Vice Chancellor by rotation according to seniority.

g. Two persons co-opted by the faculty having expert knowledge of the subjects assigned to the faculty.

h. One person to be nominated by the Vice-Chancellor having expert knowledge of the subject

DEAN OF FACULTY :

Normally, the Dean of Faculty is appointed by the Chancellor on the recommenation of Vice Chancellor for a period of two years from amongst the Professors of the University Teaching Department of the subjects assigned to the Faculty.

Provided that if no Professors are in position of the University Teaching Department, Dean shall be appointed from amongst the Readers of University Teaching Department or Centres of the University.

Provided further that if no Readers are available , the Chancellor may appoint Dean of any other Faculty to act as the Dean of Faculty of such department

2. All members of the faculty other than ex-officio members and Deans shall hold office for a term of three years.

3. One third of the totalmembership of the faculty shall constitute a quorum.

4. The faculty shall have the following powers :

   a. Subject to the control of the Academic Council, to organise, coordinate and regulate teaching and research activities of the assigned departments.

   b. To approve the courses of studies for different examinations proposed by the Board of Studies.

   c. To recommend to the Academic Council the conditions for the award of degrees, diplomas, certificates and other distinctions including the scheme of examinations for different degrees.

   d. To deal with such other matters which may be referred to it by the Academic Council or the Vice Chancellor.

e. To hold meetings, joint meetings of faculties, with the approval of Vice Chancellor with a view to develop multidisciplinary courses. Such joint meetings shall be presided over by a Dean nominated by the Vice Chancellor.

5

BOARD OF STUDIES

1. The Board of Studies for each subject or group of subjects Departments shall be constituted.

2. The constitution, powers and duties of Board of Studies have been described under Ordinance No. 2

DEPARTMENTAL RESEARCH COMMITTEE

1. There shall be a Departmental Research Committee consisting of the following members viz:

   i. The Vice-Chancellor (Chairman)

   ii. Dean of Faculty

   iii. Chairman, Board of studies

   iv. One expert in the subject nominated by the Vice-Chancellor or among the penal submitted by the Chairman Board of studies. However Vice-Chancellor shall be empowered to appoint a person outside of the Panel.

2. The term of office of the members of the Committee other

than Ex-Officio members shall be three years.

3. In the absence of the Vice-Chancellor, the Dean of the concerned faculty shall preside at the meeting of the Committee

4. The Committee shall

   i) decide the application for registration of research programmes ; and

   ii) advice the Academic Council schemes for promotion of research in the University:

COMMITTEE OF EQUIVALENCE

1. The Committee of Equivalence shall be constituted as follows:

   i) The Vice-Chancellor-Chaiman;

   ii) Two Deans of School of Studies/Faculties/Campuses;

   iii) Five members nominated by the Academic Council;

   iv) The Registrar-Secretary .

2. The tenure of the Committee shall be three years.

3. The Committee of Equivalence shall have the following powers and duties

i) To recommend to the Academic Council the name of such examinations conducted by other Universities in India and abroad, as should be considered equivalent to the examinations conducted by the University.

ii) To recommend to the Academic Council the recognition of qualifying examinations for admission to the course of studies at the University

iii) To consider the proposals for recognition of degrees and diplomas of other Universities and report on it to the Academic Council.

iv) To arrange for the recognition by other Universities and the examinations conducted by thisUniversity. Whenever such recognition is refused, the Committee shall submit their report and recommendations to the Academic Council.

v) To compare the courses of the University with those of the other Universities in India and abroad and make such recommendations if necessary, to the committee of Courses concerned for guidance.

EXAMINATION COMMITTEE

The Examination Committee shall consist of the following members : -

i) Dean of Faculty - Chairman

ii) Chairman Board of Studies - member

iii) One member to be nominated by the Vice Chancel or

ORDINANCE NO. 10

Co-operation & Collaboration wit other Universities & Institutions of Hi her Education

(Section 3 (7) read with Section 27(1 (g) of the Adhiniyam)

1. The Ardee University shall seek co-operation and ollaboration with the existing Universities and Institutes of Higl er Education and execute a Memorandum of Understanding (M U) detailing the extent and areas of cooperation and collabora on mutually agreed upon.

2. The proposals for establishment of centres by th Institutions desirous of establishment of Univesity centre shall rdinarily be received twice, i.e. in October and in May every ye .

3. The Institutions including colleges desirous of af iation from Ardee University shall be required to furnish all etails . The first affiliation shall be permitted after the approva of the State Government on prescribed form seeking guidan e from the Registrar of the University.

4. The proposal must be accompanied with a Bank raft of Rs. 40,000/ - drawn in favour of Registrar, Ardee Univ sity, Raipur as affiliation fee for the first year. The first affiliat on shall be

permitted after the approval of the State Government. The affiliation may be renewed for the subsequent years by the study centers on payment of Rs. 30,000/ - for each session.

5.

a. An Institution / Centre/ College seeking admission to the privileges of the Ardee University must have an endowment fund as decided by the Board of Management of the University and have either building or building fund.

b. Must have 3 to 5 acres of land or land as decided by the State Government.

6. The Institute / Centre shall also be required to execute a memorandum of understanding, spelling out the terms and conditions for maintenance of Academic Standards and efficient and smooth functioning of the Centre and an undertaking to abideby the Terms and Conditions framed by Ardee University.

7. The University shall have the power to inspect the Centres / Colleges and assess their progrress , as and when directed by the Chancellor.

8. The University shall prepare a detailed memorandum of requirements of space, equipments, library, faculty and other facilities and it shall be mandatory on the part of the centre / College to comply with the same failing which the University shall have the right to discontinue affiliation and close it.

ORDINANCE NO. 11

Medium of Instruction and Examination

1. The mediumof instruction and examination for all courses of studies shall ordinarily be English / Hindi. In the study of languages the medium shall be as follows : -

   i. In the case of English, the medium shall be English.

   ii. In the case of Hindi, the medium shall be in Hindi.

   iii. In the case of Sanskrit, the Medium shall be in Sanskrit

2. For extension programmes and courses the medium of instruction and examination shal be in any of the following languages :

   i. Hindi
   ii. English

3. Foreign language(s) according to the requirement in the special courses.

राजस्व विभाग

कार्यालय, कलेक्टर, जिला रायपुर, छत्तीसगढ़ एवं पदेन संयुक्त सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

रायपुर, दिनांक 9 फरवरी 2004

क्रमांक क/वा./अ.वि.अ./भू.अ./07 अ-82, 2003-2004.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार, इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा-4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उक्त भूमि के संबंध में भू-अर्जन अधिनियम 1894 की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध लागू है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायपुर	तिल्दा	नकटी खपरी प. ह. नं. 11	1.594	कार्यपालन यंत्री, महानदी जलाशय परियोजना डिसनेट संभाग क्रमांक 3 तिल्दा, जिला रायपुर (छ. ग.)	भाटापारा नहर निर्माण हेतु

रायपुर, दिनांक 9 फरवरी 2004

क्रमांक क/वा./अ.वि.अ./भू.अ./08 अ-82, 2003-2004.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार, इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा-4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उक्त भूमि के संबंध में भू-अर्जन अधिनियम 1894 की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध लागू है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायपुर	तिल्दा	बहेसर प. ह. नं. 12	2.192	कार्यपालन यंत्री, महानदी जलाशय परियोजना डिसनेट संभाग क्रमांक 3 तिल्दा, जिला रायपुर (छ. ग.)	भाटापारा नहर निर्माण हेतु

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
विवेक देवांगन, कलेक्टर एवं पदेन संयुक्त सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला राजनांदगांव, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

राजनांदगांव, दिनांक 22 मार्च 2004

क्रमांक 2244/भू-अर्जन/2004.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार, इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
राजनांदगांव	अं. चौकी	मोंगरा प. ह. नं. 21	64.235	कार्यपालन अभियंता, मोंगरा परियोजना (जल संसाधन संभाग), अं. चौकी.	मोंगरा परियोजना के डूबान एवं बांध क्षेत्र के लिये.

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी/भू-अर्जन अधिकारी के कार्यालय मोहला में किया जा सकता है.

राजनांदगांव, दिनांक 22 मार्च 2004

क्रमांक 2084/भू-अर्जन/2004.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार, इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
राजनांदगांव	राजनांदगांव	कांकेतरा प. ह. नं. 19	1.74	कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग, राजनांदगांव.	बोरी जलाशय के नहर नाली निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी/भू-अर्जन अधिकारी, राजनांदगांव के कार्यालय में किया जा सकता है.

राजनांदगांव, दिनांक 22 मार्च 2004

क्रमांक 2085/भू-अर्जन/2004.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार, इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
राजनांदगांव	राजनांदगांव	डुमरडीहकला प. ह. नं. 12	0.72	कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग, राजनांदगांव.	सेम्हरा जलाशय के नहर नाली निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी/भू-अर्जन अधिकारी, राजनांदगांव के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
जी. एस. मिश्रा, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला महासमुन्द, छत्तीसगढ़ एवं पदेन संयुक्त सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

महासमुन्द, दिनांक 23 फरवरी 2004

क्रमांक 88/अ.वि.अ./भू-अर्जन/अ-82/सन् 2003-2004.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार, इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा-4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
महासमुन्द	महासमुन्द	धरमपुर प. ह. नं. 116	1.00	कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग, महासमुन्द.	धरमपुर जलाशय योजना के अंतर्गत बायीं तट नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, महासमुन्द के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
मनोहर पाण्डे, कलेक्टर एवं प्रदेन संयुक्त सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला कोरिया, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

कोरिया, दिनांक 4 मार्च 2004

क्रमांक 122/भू-अर्जन/04.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1984 (क्रमांक एक सन् 1984) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार, इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
कोरिया बैकुण्ठपुर	खड़गवां	(1) नेवरी प. ह. नं. 13	5.69	कार्यपालन अभियंता, लो. नि. विभाग कोरिया, मनेन्द्रगढ़.	कांसाबहरा से भौता मार्ग.
		(2) कोड प. ह. नं. 13	3.26		

भूमि का नक्शा (प्लान) जिलाध्यक्ष जिला कोरिया बैकुण्ठपुर एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) खड़गवां/चिरमिरी के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
दुर्गेश चन्द्र मिश्रा, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

दन्तेवाड़ा, दिनांक 20 फरवरी 2004

क्रमांक 2/अ-82/2003-04.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार, इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू नहीं होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा	बीजापुर	फरसेगढ़	49.62	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, दन्तेवाड़ा.	सार्वजनिक प्रयोजन एवं क्षेत्र के कृषकों को सिंचाई हेतु जल प्रदाय.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
के. आर. पिस्दा, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला रायगढ़, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

रायगढ़, दिनांक 29 जनवरी 2004

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 16/अ-82/2003-04.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार, इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा-4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	खरसिया	कुकरीझरिया	0.0[illegible]	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, खरसिया.	टर्न की पद्धति से खरसिया शाखा नहर के वितरण एवं लघु नहर हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 29 जनवरी 2004

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 17/अ-82/2003-04.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1984 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार, इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा-4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	खरसिया	टाण्डापारा प. ह. नं. 4	6.399	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन, रायगढ़.	टाण्डापारा जलाशय के बांध के डूबान क्षेत्र का भू-अर्जन.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 29 जनवरी 2004

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 18/अ-82/2003-04.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1984 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार, इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है. राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा-4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	खरसिंया	टाण्डापारा प. ह. नं. 4	0.061	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन, रायगढ़.	टाण्डापारा जलाशय के नहर निर्माण हेतु भू-अर्जन.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिंया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
सुबोध कुमार सिंह, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

राजस्व विभाग

कार्यालय, कलेक्टर, जिला राजनांदगांव, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन राजस्व विभाग

राजनांदगांव, दिनांक 18 मार्च 2004

क्र. 175/भू-अर्जन/2004.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1394 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-राजनांदगांव
- (ख) तहसील-डोंगरगढ़
- (ग) नगर/ग्राम-मोहारा, प. ह. नं. 66
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-2.70 एकड़

	खसरा नम्बर	रकबा (एकड़ में)
	(1)	(2)
	344	0.10
	351	0.05
	352	0.05
	361/1	0.40
	355	0.25
	356	0.11
	357	0.13
	343	0.36
	328	0.25
	330	0.21
	331	0.21
	333	0.58
योग	12	2.70

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-खैरबना जलाशय की बांध पार एवं डूबान हेतु.

(3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी/भू-अर्जन अधिकारी, डोंगरगढ़ के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
जी. एस. मिश्रा, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला रायगढ़, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन राजस्व विभाग

रायगढ़, दिनांक 24 फरवरी 2004

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 3/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1984 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
(क) जिला-रायगढ़
(ख) तहसील-सारंगढ़
(ग) नगर/ग्राम-बिलाईगढ़ 86.393, साल्हेओना 14.217 हेक्टेयर.
(घ) लगभग क्षेत्रफल-14.27 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
बिलाईगढ़	
211/1 घ	0.081
247/3	0.089
247/4	0.044
253/1	0.037
567/1 ग	0.320
318/2	0.247
239/1	0.243
225/33	0.182
265/2	0.034
270/4	0.005
265/4	0.040
267/3	0.032
270/5	0.010
253/2	0.036
321/26	0.189
321/27	0.189
322/9	0.016
215/1	0.283
217	0.129
219	0.129
220	0.462
237/1	0.766
221/15, 223/2	0.182
223/1	0.640
264/2	0.008
267/1	0.028
269	0.065
270/2	0.005
290/64	0.142
258/1	0.320
563/1	0.364
309	0.295
208	0.134
246/1	0.138
264/3	0.033
266/1	0.040
270/6	0.010
290/49	0.320
290/53	0.024
290/56	0.069
290/59	0.073
321/25 ख	0.101
322/6	0.081
322/7	0.195
577	0.081
290/6	0.117
216/1	0.273
216/2	0.274
233/3	0.038
256/1	0.263
256/2	0.263
595/1	0.117
595/2	0.117
593/3	0.097
593/4	0.093
253/3	0.036
265/3	0.024
270/3	0.005
241	0.053

(1)	(2)	(1)	(2)
593/5	0.283	293/1	0.032
595/4	0.348	291/7	0.057
583/5	0.162	290/21	0.089
582/1, 583/3 क	0.271	290/65	0.078
317	0.162	291/9	0.073
318/1	0.121	290/19	0.119
318/3	0.247	290/52	0.024
585/1	0.849	290/55	0.069
264/2	0.065	290/58	0.109
581/1, 583/2 क	0.235	290/61	0.073
596/1 ग, 297/1	0.405	322/5	0.195
290/48	0.320	293/2	0.061
294/1	0.150	231/25 क	0.101
594/2	0.413	248	0.138
597/2	0.145	211/6	0.348
597/4	0.397	237/2	0.889
598/1	0.246	209	0.312
598/3	0.162	599	0.717
215/2	0.207	211/1 क	0.081
229/2	0.040	247/1	0.085
229/4	0.039	247/2	0.045
234/2	0.063	250/2	0.012
575/1	0.363	250/3	0.024
210/1	0.045	263/1	0.053
611/1	0.012	271/2	0.052
211/1 ग	0.162	225/14	0.441
583/4	0.162	225/19, 225/23	0.416
582/2	0.121	225/24	0.024
583/3 ग	0.016	225/32	0.029
582/3	0.121	230/21	0.051
583/3 ग	0.016	230/24	0.066
264/1	0.008	230/28	0.032
265/1	0.034	230/33	0.097
270/1	0.005	230/37	0.139
252	0.146	230/41	0.028
296/12	0.498	230/42	0.020
211/4	0.097	23[illegible]	0.075
229/1	0.040	238/15	0.091
229/3	0.039	238/16	0.032
234/1	0.063	240	0.113
238/9	0.089	290/8	0.105
290/4	0.056	290/23	0.159
291/1	0.077	290/26	0.05[illegible]

(1)	(2)	(1)	(2)
290/30	0.012	230/27	0.032
290/35	0.008	230/32	0.097
290/37	0.068	230/36	0.010
290/41	0.139	230/40	0.027
290/46	0.202	233/4	0.075
291/12	0.133	238/12	0.091
292/10	0.030	238/15	0.061
321/15	0.131	290/14	0.101
321/19	0.101	290/25	0.051
321/23	0.113	290/22	0.15[illegible]
258/2	0.283	290/29	0.012
294/2	0.150	290/34	0.008
590	0.295	290/40	0.139
563/6	0.089	290/45	0.052
573/7	0.413	292/9	0.030
603/2	0.279	296/3	0.203
604/2	0.065	321/14	0.131
212/3	0.134	231/28	0.101
221/4	0.049	584/4	0.125
221/10	0.138	321/22	0.114
275/5	0.012	573/8	0.146
275/10	0.036	212/5, 213/2	0.134
280/2	0.162	221/8	0.101
602/6	0.393	221/12	0.121
264/4	0.024	275/3	0.012
266/2	0.102	275/8	0.036
267/2	0.013	280/3	0.16[illegible]
270/7	0.021	251/4	0.020
282/1	0.073	251/8	0.016
282/3	0.016	255/5	0.003
600/5	0.134	276/5	0.005
218/1	0.101	278/5	0.032
227/1	0.073	278/2	0.25[illegible]
231/1	0.130	601/5	0.129
236/1	0.559	251/7	0.024
238/2क	0.154	255/1	0.022
244/1	0.260	273/1	0.023
225/13	0.696	276/3	0.028
225/18	0.121	276/4	0.008
225/28	0.024	255/2	0.016
225/31	0.028	255/6	0.053
230/20	0.051	273/2	0.0[illegible]8
230/23	0.066	273/5	0.02[illegible]

(1)	(2)	(1)	(2)
274/1	0.028	601/1	0.243
274/3	0.032	212/8	0.048
276/7	0.024	221/1	0.049
276/2	0.012	212/1	0.134
277/1	0.077	221/9	0.223
277/2	0.073	275/1	0.016
278/6	0.036	275/11	0.036
278/2	0.016	280/1	0.162
278/3	0.016	212/4, 213/1	0.134
581/2, 582/2 ख	0.230	290/7	1.537
255/2	4.021	250/1	0.028
225/6	0.243	250/4	0.012
230/3	0.142	263/2	0.052
230/7	0.243	271/1	0.053
230/10	0.121	282/2	0.061
230/14	0.166	600/3	0.259
238/4	0.384	601/2	0.243
290/10	0.542	290/18	0.119
290/11	0.340	290/62	0.065
290/16	0.032	290/66	0.113
291/2	0.162	290/67	0.121
292/2	0.138	291/5	0.040
307	0.324	291/13	0.032
231/10	0.494	291/14	0.037
231/1	0.186	293/3	0.029
594/1	0.202	225/11	0.415
211/5	0.203	225/16	0.040
221/2, 223/2	0.182	225/21	0.121
260/1	0.081	225/26	0.012
222	0.569	225/29	0.014
232	0.174	230/22	0.066
308	0.858	230/25	0.032
605	0.829	230/30	0.049
319	0.721	230/34	0.010
320	0.194	230/39	0.015
573/3	0.049	233/2	0.037
573/4	0.049	238/10	0.045
574/1	0.898	238/14	0.061
235	0.202	290/1	0.146
268	0.384	290/27	0.008
281	0.121	290/32	0.008
567/1 ख	0.162	290/38	0.070
600/1	0.243	290/43	0.264

(1)	(2)
291/10	0.067
292/7	0.015
584/2	0.063
603/6, 604/6	0.086
210/2, 611/2	0.057
210/3, 611/3	0.052
211/1 ख	0.162
274/2	0.032
277/3	0.073
580	0.065
593/2	0.097
595/3	0.113
597/1	0.271
597/3	0.267
597/5	0.097
598/2	0.287
598/4	0.121
211/3	0.202
260/2	0.081
225/12	0.415
225/17	0.048
225/22	0.121
225/27	0.012
225/30	0.014
230/19	0.050
230/26	0.049
230/31	0.015
230/35	0.010
238/11	0.046
290/24	0.050
290/28	0.008
290/33	0.008
290/39	0.069
290/44	0.264
291/11	0.067
292/8	0.016
321/13	0.066
321/17	0.101
321/21	0.057
584/3	0.063
603/7, 604/7	0.086
290/13	0.024
290/50	0.073
321/4	0.101
322/1	0.495
322/8	0.195
225/3	0.243
225/8	0.073
230/1	0.162
230/8	0.247
230/11	0.121
230/15	0.324
238/3	0.660
290/15	0.081
290/17	0.121
291/4	0.032
292/1	0.210
295	0.251
296/4	2.093
296/8, 297/2	0.308
296/9	0.049
306	0.097
311/2	0.069
321/3	0.094
321/12	0.418
322/2	0.259
322/3	0.575
323	0.445
573/5	0.101
594/3	0.223
251/3	0.016
278/4	0.016
278/1	0.035
225/1	0.137
225/4	0.028
225/7	0.073
225/10	0.214
225/15	0.202
225/20	0.121
225/25	0.024
230/2	0.050
230/6	0.065
230/9	0.098
230/18	0.020
230/29	0.032
230/38	0.020

(1)	(2)	(1)	(2)
233/1	0.074	292/6	0.344
238/1	0.091	296/6	0.445
238/7	0.060	296/1	0.202
243	0.202	296/7, 297/3	0.125
290/3	0.160	296/10	0.663
290/5	0.202	296/11	0.251
290/9	0.012	321/6	0.089
290/12	0.139	321/8	0.040
290/31	0.008	212/7	0.049
290/36	0.034	221/17	0.048
290/42	0.052	280/9	0.054
291/3	0.133	596/4	0.100
292/3	0.030	221/6	0.081
321/2	0.131	221/11	0.129
321/5	0.101	275/2	0.016
321/11	0.113	275/9	0.036
584/1	0.125	280/6	0.162
603/1, 604/1	0.172	255/3	0.022
290/47	0.320	276/1	0.008
290/51	0.024	278/8	0.016
290/4	0.069	251/6	0.020
290/57	0.109	251/9	0.025
290/68	0.073	255/4	0.222
321/24	0.101	251/9	0.025
322/4	0.195	255/3	0.022
218/2	0.101	273/3	0.016
227/2	0.073	273/4	0.006
228	0.113	276/6	0.008
221/2	0.129	596/1	0.259
236/2	0.667	596/2	0.159
236/3	0.109	596/3	0.259
238/2 [illegible]	0.154	600/2	0.040
238/5	0.081	600/4	0.049
238/6	0.121	600/6	0.045
238/8	0.081	601/3	0.045
244/2	0.258	601/4	0.045
225/5	0.061	601/6	0.045
225/9	0.061	602/5	0.109
230/5	0.142	603/3, 604/3	0.219
230/13	0.061	603/4, 604/4	0.170
230/17	0.138	603/5, 604/5	0.174
291/8	0.065	603/2	0.105
292/4	0.040	602/3	0.109

(1)	(2)
602/5	0.109
259	0.089
261	0.089
265	0.138
310	0.102
576	0.340
579	0.154
212/2	0.049
221/5	0.049
221/16	0.049
275/6	0.012
280/8	0.054
275/12	0.036
221/3	0.283
573/2	0.594
230/4	0.121
230/12	0.061
230/16	0.142
291/6	0.004
292/5	0.040
296/5 क, 297/1	1.448
321/7	0.150
321/9	0.040
211/2	0.445
242	0.194
272	0.105
279	0.182
593/1	0.283
595/5	0.344
212/6, 213/3	0.134
221/15	0.044
275/4	0.012
280/7	0.101
221/7	0.101
221/13	0.045
275/7	0.040
280/4	0.061
602/1	0.101
255/7	0.053
273/6	0.024
276/8	0.025
278/7	0.035
226	0.121
238/3	0.029
249/1	0.040
249/2	0.089
290/2	0.134
251/1	0.129
589, 592	0.757
239/2	0.121
251/2	0.121
587, 588	0.510
251/5	0.101
254	0.142
290/20	0.122
290/63	0.142
296/2	0.170
296/5 ख	0.304
296/5 ग, 297/2	0.405
311/1	0.971
312	0.482
313	0.121
573/9	0.121
574/2	0.372
योग 547	86.393

ग्राम-साल्हेओना

(1)	(2)
1050	0.267
1113/1	0.294
1051	0.283
1052/1	0.053
1071/2	0.024
1052/2	0.053
1078/1	0.049
1053/1	0.065
1056/1	0.037
1074/1	0.059
1053/2	0.032
1056/2	0.040
1074/2	0.030
1075/2	0.030
1054	0.097
1058/1	0.032
1075/1	0.059

(1)	(2)	(1)	(2)
1055/1	0.053	1071/1क	0.020
1057/1	0.034	1071/3	0.032
1058/2	0.033	1072/2	0.040
1055/2	0.053	1079/2	0.186
1076/2	0.041	1081/2	0.179
1057/2	0.035	1071/1ख	0.024
1062	0.304	1080	0.394
1084/1	0.170	1076/1	0.040
1117/1	0.291	1077	0.138
1063/1	0.061	1078/2	0.057
1093/2	0.057	1094/1	0.020
1097/1घ	0.053	1078/3	0.057
1097/1ङ	0.049	1094/2	0.020
1063/2	0.061	1079/1क	0.093
1093/1	0.057	1079/1ख	0.093
1064/1क	0.129	1081/1	0.178
1073/1	0.065	1083	0.101
1064/1ख	0.126	1084/2	0.174
1064/2	0.130	1085	0.134
1065	0.404	1086	0.227
1072/1	0.073	1087	0.162
1066/1	0.113	1088	0.105
1067	0.194	1097/1ख	0.049
1066/2	0.114	1099/1	0.010
1070/2	0.044	1099/2	0.024
1068/1	0.045	1099/3	0.010
1089/1	0.102	1102	0.101
1116/1	0.071	1105/1	0.158
1068/2	0.044	1105/2	0.246
1089/2	0.101	1105/3क	0.108
1116/2	0.071	1105/3ख	0.054
1068/3	0.045	1105/4	0.039
1089/3	0.101	1105/5	0.039
1116/3	0.072	1106	0.287
1069/1	0.023	1108	0.182
1069/2	0.023	1109/1	0.148
1112/1	0.077	1109/2	0.081
1069/3	0.046	1109/3	0.081
1069/4	0.030	1110	0.105
1069/5	0.016	1111/1	0.265
1070/1	0.049	1111/2	0.109
		1090	0.445

(1)	(2)
1091	0.032
1092	0.142
1094/3	0.081
1095/1	0.016
1095/2	0.016
1095/11	0.097
1095/13	0.016
1095/3	0.016
1095/14	0.016
1095/18	0.045
1095/5	0.012
1095/7	0.085
1095/16	0.016
1095/17	0.069
1095/4	0.016
1095/6	0.081
1095/8	0.081
1095/10	0.085
1095/12	0.016
1095/15	0.016
1095/19	0.045
1095/20	0.166
1095/9	0.073
1096/1	0.045
1097/2ख	0.036
1103/1	0.121
1104/2	0.128
1096/2	0.044
1097/2क	0.074
1100	0.045
1103/4	0.243
1104/1	0.145
1097/1क	0.502
1098	0.113
1101	0.324
1097/1ग	0.053
1097/2ग	0.036
1103/2	0.122
1104/3	0.018
1107/1	0.405
1107/2	0.138
1112/2	0.077
1113/2	0.293
योग 143	14.339

2. सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिये आवश्यकता है-मेसर्स हनुमान एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड, रायपुर (छ.ग.) के कागज कारखाना स्थापना हेतु भू-अर्जन.

3. भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), सारंगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
सुबोध कुमार सिंह, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.